Hindi

Explore–Journal of Research
ISSN 2278 – 0297 **(Print)**
ISSN 2278 – 6414 **(Online)**
© Patna Women's College, Patna, India
http://www.patnawomenscollege.in/journal

वैश्वीकरण का हिन्दी पर प्रभाव

• सुरभि कुमारी • शाम्भवी कुमारी • अमृता राज
• मंजुला सुशीला

Received : November 2019
Accepted : March 2020
Corresponding Author : Manjula Sushila

Abstract : *वैश्वीकरण का अर्थ है 'विश्वव्यापी पारस्परिक जुड़ाव,' जो विचार, पूँजी, वस्तु और लोगों के प्रवाह से उत्पन्न होता है।*

वैश्वीकरण एक बहुआयामी अवधारणा है। इसके आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक सांस्कृतिक प्रभाव हैं। सांस्कृतिक रूप से रहन–सहन, वेश–भूषा, भाषा इत्यादि पर प्रभाव पड़ रहा है।

अंग्रेजी वर्चस्व के युग में जब दुनिया की कई भाषाएँ लुप्त हो रही हैं, ऐसे में हिन्दी ने अपने स्वरूप में परिवर्तन लाकर स्वयं को जीवंत किया है। आज हम हिन्दी के कई रूप से अवगत हो रहे है जैसे – विज्ञापन की हिन्दी, खेल – कूद की हिन्दी, बोलचाल की हिन्दी, फिल्मों की हिन्दी, कार्यालयी हिन्दी, संचार माध्यम की हिन्दी, बाजार की हिन्दी, मीडिया की हिन्दी, तकनीक की हिन्दी इत्यादि । अपने परंपरागत रूप से इतर हिन्दी इन नए रूपों में खूब पुष्पित – पल्लवित हो रही है। इसके अतिरिक्त हिन्दी की विदेशी शैलियाँ भी विकसित हो रही हैं।

भारत की सांस्कृतिक पहचान हिन्दी भाषा नए दौर में नए स्वरूप में जीवंत हुई है। बाजार की भाषा बनी हिन्दी भारत के कोने–कोने से लेकर विश्व के कोने–कोने तक प्रसारित हो रही है।

मीडिया, तकनीक, इंटरनेट इत्यादि हर क्षेत्र में हिन्दी धूम मचा रही है, लेकिन वैश्वीकरण ने इसके साथ–साथ हिन्दी के सामने कई चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। वैश्वीकरण की चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक है कि हिन्दी को जनोन्मुखी, रोजगारपरक, सरल–सुगम बनाया जाये ताकि यह विश्व मंच पर ताकतवर भाषा के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करा सके।

संकेत-शब्द (Keywords) – *बहुआयामी अवधारणा, सांस्कृतिक पहचान, चुनौतियाँ, जनोन्मुखी, विश्व भाषा।*

सुरभि कुमारी
B.A. III year, Hindi (Hons.), Session: 2017-2020,
Patna Women's College, Patna University, Patna,
Bihar, India

शाम्भवी कुमारी
B.A. III year, Hindi (Hons.), Session: 2017-2020,
Patna Women's College, Patna University, Patna,
Bihar, India

अमृता राज
B.A. III year, Hindi (Hons.), Session: 2017-2020,
Patna Women's College, Patna University, Patna,
Bihar, India

मंजुला सुशीला
अध्यक्षा, हिन्दी विभाग, पटना वीमेंस कॉलेज,
बेली रोड, पटना–800 001, बिहार, भारत
E-mail : manjula71pwc@gmail.com

भूमिकाः

वर्तमान युग वैश्वीकरण का है। हम क्या खाते हैं, क्या पहनते हैं, क्या सोचते हैं, क्या बोलते हैं, सभी पर वैश्वीकरण का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रभाव है।

वर्तमान युग पूँजीवाद और बाजारवाद का है। भारत बड़ा बाजार है। अतः वैश्वीकरण के दौर में भारतीय बाजार की जैसे ताकत बढ़ेगी, वैसे भारतीय भाषाओं और हिन्दी की भूमिका व्यापक होगी। हिन्दी आज बाजार की भाषा है, विज्ञापनों की भाषा है। इसका प्रसार अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हो रहा है। मॉरीशस, सूरीनाम, जमैका इत्यादि देशों में करीब पचास फीसदी लोग